गोवायार्ड दर्शन

अक्तूबर 2022 - मार्च 2023

भारत की G20 अध्यक्षता

G20

भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

एक पृथ्वी · एक परिवार · एक भविष्य

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

शिपयार्डों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादक शिपयार्ड

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति का निरीक्षण (15 नवंबर 2022)

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति के संयोजक श्री रामचंद्र जांगड़ा, श्री श्याम सिंह यादव, श्री धर्मेंद्र कश्यप, श्री ईरण्ण कड़ाड़ी, श्री सुजीत कुमार एवं अनुभाग अधिकारी श्री विक्रांत भाटिया

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, भानौ, निदेशक (नियोप एवं व्यावि), श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मा सं एवं प्रशा) एवं श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड छह दशकों से अधिक समय से गुणवत्ता और सार्थक उत्पादों द्वारा राष्ट्र की सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहा है । जहाज निर्माण उद्योग की बदलती आवश्यकताओं हेतु प्रासंगिक बने रहने के लिए निरंतर स्वयं को विकसित किया है, प्रत्येक चुनौतियों के समक्ष स्वयं को बेहद सक्षम और मजबूत सिद्ध किया है और आज एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हमने सर्वोत्तम औद्योगिक परंपराओं को शामिल कर प्रचालन को सरल बनाया है साथ ही नवीनतम तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने में लगातार प्रगति की है। हमारी महत्वाकांक्षी आधुनिकीकरण योजना ने जहाजों के समानांतर निर्माण के लिए यार्ड की क्षमता को बढ़ाया है और गोशिलि में प्रगतिरत अनेक परियोजनाएं आगामी वर्षों में हमारा उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करती हैं।

सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल हमारे लिए नए मार्ग प्रशस्त कर रही है। आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न नीतिगत घोषणाओं ने रक्षा क्षेत्र को अनेक अवसर प्रदान किए हैं। सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप रक्षा क्षेत्र में भारत को दुनिया का निर्माण केन्द्र बनाने के लिए गोशिलि दृढ़ प्रतिज्ञ है, जो न केवल घरेलू जरूरतों को पूरा करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। हमारी व्यावसायिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में नैतिकता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को लगातार अपनाने और बनाए रखने में हमें गर्व की अनुभूति होती है।

गोवा शिपयार्ड व्यावसायिक गतिविधियों के अलावा राजभाषा हिंदी के प्रति हमेशा संवेदनशील रहा है। राजभाषा हिंदी की प्रगति हेतु राजभाषा विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर सकारात्मक प्रयास किए जा रहे है। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भी विभिन्न प्रयासों द्वारा इस दिशा में निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु भाषा प्रशिक्षण के अतिरिक्त हिंदी पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी है। राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढाने के लिये वित्तीय प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का यह अंक ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी रचनाओं हेतु तथा राजभाषा अनुभाग की पूरी टीम को उनके प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं ।

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

निदेशक की कलम से...

सामाजिक विकास एवं जन कल्याण हेतु सरकार द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ये कार्यक्रम तभी सफल माने जा सकते हैं, जब इन योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचता है । लेकिन इन कार्यक्रमों की सफलता मुख्यत: भाषा पर निर्भर करती है और इस पूरी प्रक्रिया में हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा का विशेष योगदान है। अत: हमें हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए। देश और समाज के व्यापक हित में राजभाषा हिंदी के प्रति जनता और सरकारी तंत्र दोनों को अधिक से अधिक संवेदनशील बनाए जाने की आवश्यकता है ।

सभी भारतीय भाषाओं में केवल हिंदी ही एक ऐसी भाषा है, जिसे हम संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करते हैं। यह देश के अधिकांश लोगों द्वारा पारस्परिक व्यवहार में प्रयुक्त की जाती है। हिंदी के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान में इसे संघ सरकार की राजभाषा का दर्जा दिया गया है। हम सभी को अपनी-अपनी भाषा का सम्मान करते हुए देश की राजभाषा हिंदी के साथ जुड़ने का प्रयास करना चाहिए। राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर बल देते हुए हम इसका अधिक से अधिक प्रयोग करें और इसके प्रचार-प्रसार में सहयोग दें तथा लोगों को हिंदी के प्रति जागरुक बनाएं।

मैं सभी कार्मिकों एवं हिंदी अनुभाग को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ। 'गोवायार्ड दर्शन' ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन
निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

दो शब्द...

गोवा शिपयार्ड ने राजभाषा हिंदी के प्रति सम्मान एवं कर्तव्यनिष्ठा की भावना का परिचय देते हुए एक विशिष्ट स्थान बनाया है एवं हिंदी के प्रचार-प्रसार के प्रति समर्पित भाव से काम कर रहा है। । हमारा प्रयास है कि सभी क्षेत्रों में हम राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ा सकें, इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने इसे हमारी कार्यप्रणाली में सम्मिलित किया है, ताकि हमारे कामगारों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित किया जा सके। गोवा शिपयार्ड में हिंदी में कार्य करने के लिए कंप्यूटर पर सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी गई है और समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

गोवा शिपयार्ड में प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के माध्यम से राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक उपयोग किए जाने के लिए सभी को प्रेरित किया जा रहा है। हमारी गृह पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' का वर्ष में दो बार प्रकाशन भी हिंदी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में एक प्रयास है। 'गोवायार्ड दर्शन' के माध्यम से गोशिलि की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी के साथ-साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलेगा एवं उन्हें हिंदी में कार्य करने की नई प्रेरणा मिलेगी।

'गोवायार्ड दर्शन' ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

मनोरंजन खुंटिआ
मुख्य महाप्रबंधक (मा सं एवं प्रशासन)

सम्पादकीय

किसी भी देश की अस्मिता और उसकी राष्ट्रीयता की वास्तविक पहचान उसकी भाषा से ही होती है। भारत जैसे सांस्कृतिक और भाषायी विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा हिंदी ही है, जो संपर्क भाषा के रूप में आज पूरे देश को एक साथ जोड़े हुए हैं। भाषा के विकास में देश की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और ऐतिहासिक विकास का महत्त्वपूर्ण संबंध होता है। राजभाषा हिंदी की शक्ति उसकी परिशुद्ध भारतीय आत्मा है। राजभाषा हिंदी की प्रकृति उसकी भाव अभिव्यक्ति का जीवंत और ऐतिहासिक स्वरुप है।

आज राजभाषा हिंदी एक नए तकनीकी विकास एवं डिजिटल परिवर्तन की प्रक्रिया के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक और सूचना प्रौद्योगिकी के आने से वर्तमान परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव हो रहा है। तकनीक के प्रति नई पीढ़ी के रुझान ने समाज, भाषा और साहित्य को बदलने का एक नया दौर शुरू कर दिया है। निकट भविष्य में तकनीक हमें और अधिक सक्षम बनाने वाली है। यद्यपि हिंदी के माध्यम से कंप्यूटरीकरण और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में हम अनेक मंजिलें तय कर चुके हैं, परंतु राह में चुनौतियां अभी भी बहुत है। राजभाषा हिंदी को आधुनिक बदलावों के साथ आगे बढ़ने के लिए सशक्त और समर्थ बनाना होगा तभी परिवर्तनों के बावजूद यह प्रासंगिक बनी रहेगी।

राजभाषा हिंदी की सबसे बड़ी विशेषता उसकी उदारवादी शक्ति और उसका लचीलापन है, जो किसी भी भाषा के शब्दों को बिना किसी भेदभाव के अपना लेती है। हिंदी की इस आत्मसात करने के की क्षमता के कारण ही इसकी उन्नति भी निरंतर हो रही है। हम राजभाषा हिंदी की इस वैज्ञानिकता और संपन्नता का पूर्णरुपेण उपयोग कर इसे अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। राजभाषा हिंदी को हम सार्थकता तभी प्रदान कर सकते हैं जब हम उसकी समस्त क्षमताओं का उपयोग करते हुए गर्व से सिर उठाकर निसंकोच हिंदी का प्रयोग सभी व्यवहार क्षेत्रों में करें।

'गोवायार्ड दर्शन' का यह अंक आपके समक्ष ई-पत्रिका के रूप में प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है। हमारी गृह-पत्रिका गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के विविध क्रियाकलापों के विभिन्न आयामों को दर्शाती है और साथ ही हमारे कार्मिकों को रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करती है। 'गोवायार्ड दर्शन' का वर्ष में दो बार प्रकाशन राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में हमारा सार्थक प्रयास है। आपकी प्रतिक्रिया एवं बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी !

शुभकामनाओं सहित...

राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

राजभाषा कार्यान्वयन समिति सदस्य सूची

1.	श्री बृजेश कुमार उपाध्याय	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	अध्यक्ष
2.	कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन	निदेशक (नियोप एवं व्यावि)	सदस्य
3.	श्री सुनील शिवलिंग बागी	निदेशक (वित्त)	"
4.	श्री संजय कृष्णा नव्हाले	मुख्य सतर्कता अधिकारी	"
5.	श्री मनोरंजन खुंटिआ	मुख्य महाप्रबंधक (मासं एवं प्रशासन)	"
6.	श्री थॉमस वर्गिस	महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं)	"
7.	श्री क्लिफ़र्ड परेरा	महाप्रबंधक (आयोजना)	"
8.	श्री पी. रविन्द्रन	महाप्रबंधक (उत्पादन)	"
9.	कमोडोर (निवृत्त) आदिकेश वासुदेवन	महाप्रबंधक (परियोजनाएं)	"
10.	श्री एम. सुब्रमणियन	विभाग प्रमुख (वाणिज्य)	"
11.	श्री आनंद बी. मुर्शिली	अपर महाप्रबंधक (आंतरिक लेखा परीक्षक)	"
12	श्री सुनील प्रसाद यादव	विभाग प्रमुख (वित्त)	"
14.	दत्तप्रसाद नरहरि भट	विभाग प्रमुख (गु आ एवं वि)	"
13.	श्री नागेश डी. पई	विभाग प्रमुख (जम)	"
15.	श्री वी. के. देशपांडे	विभाग प्रमुख (सामान्य इंजीनियरी सेवाएं)	"
16.	श्री प्रकाश लक्ष्मण गावडे	विभाग प्रमुख (शिपयार्ड आधुनिकीकरण परियोजना)	"
17.	डॉ. वेदपाल तारी	अपर महाप्रबंधक (चिकित्सा)	"
18.	श्रीमती छाया जैन	कंपनी सचिव	"
19.	श्री विभु सिंह प्रतिहार	उप कमांडेंट (केऔसुब)	"
20.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)	सदस्य सचिव

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मार्गदर्शक

कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन

निदेशक (नियोप एवं व्यावि)

श्री मनोरंजन खुंटिआ

मुख्य महाप्रबंधक

(मानव संसाधन एवं प्रशासन)

संपादक

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा

वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

सहयोग

हिंदी अनुभाग

विशेष सहयोग

जनसंपर्क अनुभाग

(इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचारों से गोशिलि का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह रचनाकारों के अपने विचार हैं।)

पत्रिका डिज़ाइन: फोकस कम्युनिकेशन्स
ईमेल: info@focuscommunications.co.in
मो.: 9820082352

अनुक्रमणिका

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के आशीर्वचन 01
- निदेशक की कलम से 02
- दो शब्द 03
- संपादकीय 04

अभिनंदन

- एचआर एक्सीलेंस अवार्ड 2022, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा उत्कृष्ट युवा डॉक्टर सम्मान 07
- भारत सरकार को अंतिम लाभांश का भुगतान 08
- रक्षा राज्य मंत्री द्वारा गोशिलि की सराहना, फास्ट इंटरसेप्टर पेट्रोल बोट 09

शिपयार्ड गतिविधियां

- भारतीय जहाज रजिस्ट्रार द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 10
- भारतीय नौसेना के लिए 7 एनजीओपीवी अनुबंध पर हस्ताक्षर 11
- बीईएल और गोशिलि के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, प्रथमोपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम 12
- भारतीय तटरक्षक के लिए दो प्रदूषण नियंत्रण जहाजों का कील लेईंग 13
- डीपीएसयू एचआर मीट 14

शिपयार्ड में हिंदी के बढ़ते कदम

- राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) बैठक, गोवायार्ड दर्शन का विमोचन, हिंदी कार्यशाला 15
- हिंदी पारंगत प्रशिक्षण, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 16
- द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 2022 17-18
- विश्व हिंदी दिवस 2023 का आयोजन 19
- हिंदी पखवाड़ा 2022 20-27

उत्सवों से सराबोर शिपयार्ड

- कौमी एकता, संविधान दिवस, सुरक्षा सप्ताह 28
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 29
- स्वच्छता पखवाड़ा 2022 30-34
- 66वां महापरिनिर्वाण दिवस 35
- महिला दिवस 2023 36-37

शिपयार्ड संदर्शन

- अग्निशमन सेवा सप्ताह, लेफ्टिनेंट जनरल का संदर्शन 38
- जीआरएसई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदर्शन 39
- आयआयटी मद्रास की टीम का संदर्शन 39
- वाईस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ का संदर्शन 39
- रक्षा सचिव का गोशिलि संदर्शन 40

माननीय संसदीय समिति का गोशिलि दौरा

- अन्य पिछड़े वर्गों हेतु कल्याण समिति 41
- श्रम, कपड़ा और कौशल विकास हेतु 41
- सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति 41
- अजा/ अजजा के कल्याण हेतु 41

मेडिकल

- कोविड-19 टीकाकरण, टीबी जागरूकता कार्यक्रम, हृदय रोग पर जागरूकता कार्यक्रम 42

प्रशिक्षण

- बदलते संदर्भ में संगठन प्रमुखों की भूमिका, गोशिलि द्वारा दिव्यांग कर्मचारियों के लिए कार्यक्रम 43

आलेख एवं काव्यांजलि

- भारत एक कृषि प्रधान देश 44
- भारत भाग्य विधाता 45
- गुणवत्ता आश्वासन और विश्वसनीयता विभाग 46
- पशु : मनुष्य जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग; सुख 47
- सुख 47
- हावड़ा से बैंडल(एक मजेदार कविता) 48

एचआर एक्सीलेंस अवार्ड 2022

11 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में एसोचैम द्वारा आयोजित वर्क विजन कार्यक्रम में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को अभिनव मानव संसाधन कार्य प्रणालियों द्वारा संगठनात्मक परिवर्तन एवं उत्कृष्टता प्रबंधन हेतु विशेष जूरी - **एचआर एक्सीलेंस अवार्ड 2022** से सम्मानित किया गया। वर्ष 1920 से एसोचैम राष्ट्र की सेवा करने वाला देश का सबसे पुराना एपैक्स चेंबर है। 23 सितंबर 2022 को पश्चिमी क्षेत्र प्रतियोगिता जीतने के बाद गोशिलि एचआर टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा हेतु योग्यता हासिल की थी। इस प्रतियोगिता में 05 विभिन्न क्षेत्रों की कुल 15 शीर्ष कंपनियों ने भाग लिया था।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 'उत्कृष्ट युवा डॉक्टर' सम्मान

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में कार्यरत डॉ. विश्वराज के. म्हालसेकर, वरिष्ठ प्रबंधक (चिकित्सा एवं संरक्षा, स्वास्थ्य,पर्यावरण) को 28 दिसंबर 2022 में इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन कन्वेंशन सेंटर, स्टेनली रोड, प्रयागराज (इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में संपन्न 97वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन 'आयएमए नेटकॉन 2022' के अवसर पर आयएमए नेशनल प्रेसिडेंट एप्रिसिएशन एवॉर्ड **'उत्कृष्ट युवा डॉक्टर'** से सम्मानित किया गया।

गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सावंत ने राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर डॉ. विश्वराज के. म्हालसेकर को बधाई दी एवं उनका सम्मान किया।

आपकी इस उपलब्धि पर गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को गर्व है।

भारत सरकार को अंतरिम लाभांश का भुगतान

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रदत्त शेयर पूंजी के 75% की दर से अंतरिम लाभांश का भुगतान किया । गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 22.30 करोड़ रुपये का लाभांश चेक माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमाने की उपस्थिति में भारत सरकार के हिस्से के रूप में प्रस्तुत किया ।

अंतिम लाभांश का भुगतान

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि) एवं श्री सुनील शिवलिंग बागी, निदेशक (वित्त) की उपस्थिति में भारत सरकार को वित्त वर्ष 2021-22 के 22% अंतिम लाभांश का भुगतान माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को किया। अंतिम लाभांश 65% पूर्व भुगतान किए गए अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है, जो कुल प्रदत्त शेयर पूंजी का 87% है । गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने रक्षा सचिव, श्री गिरिधर अरमाने की उपस्थिति में माननीय रक्षा मंत्री को लाभांश चेक भेंट किया ।

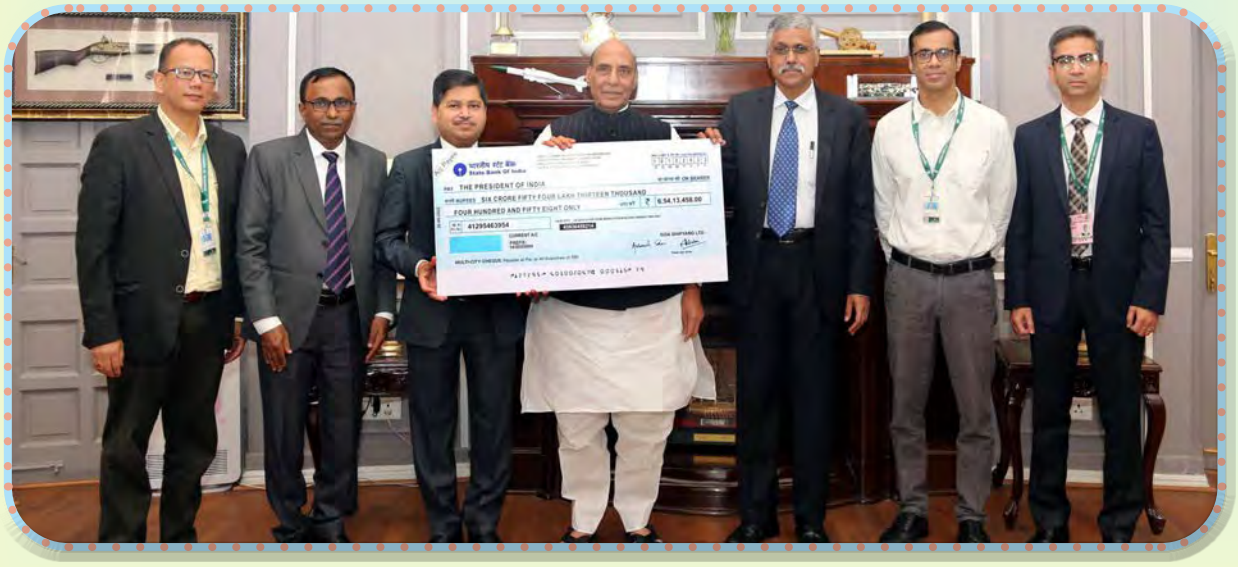

रक्षा राज्य मंत्री द्वारा गोशिलि की सराहना

माननीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने 6 मार्च 2023 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) का दौरा किया। एक घंटे की इस यात्रा के दौरान, गोशिलि के विकास पथ, इसकी इन-हाउस डिजाइन क्षमता, उत्पाद प्रोफ़ाइल और भविष्य की संभावना पर माननीय रक्षा राज्य मंत्री (आरआरएम) को एक प्रस्तुति दी गई ।

श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि द्वारा माननीय रक्षा राज्य मंत्री का शिपयार्ड के आसपास संचालन किया गया और उन्हें भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे फ्रिगेट्स की श्रृंखला के निर्माण से अवगत कराया गया । माननीय रक्षा राज्य मंत्री (आरआरएम) को भविष्य की विभिन्न परियोजनाओं के लिए किए गए बड़े पैमाने पर बुनियादी अवसंरचना में वृद्धि को भी दिखाया गया ।

माननीय रक्षा राज्य मंत्री को गोशिलि द्वारा विकसित किए जा रहे नए उत्पाद डिजाइनों के बारे में जानकारी दी गई। बातचीत और यार्ड के दौर के दौरान, माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने गोशिलि में उन्नत बुनियादी अवसंरचना और निष्पादन के तहत चल रही परियोजनाओं की सराहना की । उन्होंने जहाजों की गुणवत्ता और समय पर सुपुर्दगी के साथ-साथ भविष्य की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिपयार्ड के उन्नयन में गोशिलि के प्रयासों की भी सराहना की ।

फास्ट इंटरसेप्टर पेट्रोल बोट

दिनांक 13 अप्रैल 2023 को माननीय मुख्यमंत्री, डॉ. प्रमोद पी. सावंत ने 15.5 मीटर फास्ट इंटरसेप्टर पेट्रोल बोट को हरी झंडी दिखाई और गोवा पुलिस के लिए ड्रोन कैमरे के साथ आयडिया फोर्ज माइक्रो अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) लॉन्च किया । यह शक्तिशाली प्लेटफार्म गोवा पुलिस की तटीय निगरानी और सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देगा ।

भारतीय जहाज रजिस्ट्रार द्वारा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर

रक्षा जहाज निर्माण में आत्मनिर्भर पहल को मजबूती प्रदान करने हेतु माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) ने, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई), हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के साथ डिफेंस एक्सपो 2022 में समझौता ज्ञापन की औपचारिकताएं पूरी की।

उसी दिन पहले के एक कार्यक्रम में, जीआरएसई ने वर्तमान में निर्माणाधीन शैलो वॉटर एंटी-सबमरीन वारफेयर कार्वेट के पानी के नीचे से होने वाले शोर को बहुत उच्च स्तर की साइलेंसिंग प्रदान करने के अपने उत्कृष्टता के लिए रक्षा मंत्री का पुरस्कार प्राप्त किया । भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) इस संबंध में तकनीकी सेवा प्रदान करने के लिए इससे जुड़ा हुआ है ।

इन शिपयार्डों ने भारत को जहाज निर्माण करने वाला राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) ने इस प्रयास में उनको सहायता प्रदान की है । समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से, शिपयार्ड और भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) भविष्य के लिए अपने सहयोग को मजबूत करेंगे ।

भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) मरम्मत, रीफिट और मॉडिफिकेशन के दौरान निरीक्षण और पर्यवेक्षण करेगा । काम पूरा हो जाने के बाद अग्रणी वर्गीकरण सोसायटी भी परीक्षणों को देखेगी । भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) सामग्री की स्थिति के मूल्यांकन और ऑनबोर्ड मशीनरी के चल रहे परीक्षणों के साथ-साथ घटकों के तीसरे पक्ष के निरीक्षण के आधार पर एक डिफेक्ट सूची तैयार करेगा । इसके अलावा, भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) अल्पकालिक पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं के माध्यम से पर्यवेक्षी कर्मचारियों और अधिकारियों के कौशल विकास के लिए सहायता प्रदान करेगा। एफईएम विश्लेषण, सीएफडी, जहाजों की कार्यक्षमता का मूल्यांकन और शोर / कंपन विश्लेषण जैसे विभिन्न तकनीकी अध्ययन और विश्लेषण करने में आईआरएस सहायता प्रदान करेगा । ये सभी गतिविधियां समझौते के रूप में शामिल है ।

भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) में रक्षा प्रमुख सीडीआर के. के. धवन ने कहा कि : "आईआरएस अब व्यवसायिक उत्कृष्टता के लिए उद्योगों के बीच विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है । हमें सभी शिपयार्डों को उच्च गुणवत्ता वाले निरीक्षण और प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करने पर गर्व है । भारतीय जहाज रजिस्ट्रार (आईआरएस) रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता (स्वावलंबन) का प्रबल समर्थक रहा है और ये विकास उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।"

भारतीय नौसेना के लिए 7 एनजीओपीवी हेतु रक्षा मंत्रालय के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने 30 मार्च 2023 को भारतीय नौसेना के लिए 11 में से 07 नई पीढ़ी के अपतट गश्ती पोतों (एनजीओपीवी) के निर्माण के लिए रक्षा मंत्रालय के साथ लगभग 6200 करोड़ रुपए की अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह भारतीय जहाज निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन था। यह प्रतिष्ठित अनुबंध गोशिलि द्वारा प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से हासिल किया गया, जिसमें दोनों सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों ने भाग लिया।

इस अवसर पर गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि गोशिलि के विविध उत्पाद श्रेणियों में एक और उत्पाद जुड़ गया है। उन्होंने आगे बताया कि यह गोशिलि के प्रत्येक अधिकारी, पर्यवेक्षक और कामगार द्वारा प्रदर्शित कड़ी मेहनत, समर्पण और अत्याधुनिक व्यावसायिकता का प्रतिबिंब है। हमारी यह सफलता गोशिलि क्षमताओं और सामर्थ्य को सिद्ध करता है।

इन सभी सात नई पीढ़ी के अपतट गश्ती पोतों (एनजीओपीवी) को गोशिलि द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित किया जाएगा। एमएसएमई के विकास को सुनिश्चित करने और भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र की एमएसएमई भागीदारी द्वारा 45% योगदान दिया जाएगा। इन जहाजों के अधिग्रहण से भारतीय नौसेना को अपनी युद्धक क्षमता बनाए रखने और एंटी-पायरेसी, घुसपैठ विरोधी, अवैध शिकार विरोधी, तस्करी रोधी, गैर-लड़ाकू निकासी संचालन, खोज और बचाव (एसएआर), अपतटीय संपत्तियों की सुरक्षा आदि जैसी विभिन्न परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिलेगी । इन जहाजों के निर्माण से भविष्य में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। ये जहाज आत्मनिर्भर भारत के गौरवशाली ध्वजवाहक होंगे।

बीईएल और गोशिलि के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नवरत्न रक्षा पीएसयू भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने स्वायत्त नेविगेशन और संबंधित क्षेत्रों में उत्पादों / समाधानों के संयुक्त विकास के लिए गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (गोशिलि) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया ।

इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य बीईएल और गोशिलि की पूरक शक्तियों और क्षमताओं का लाभ उठाना है । यह बीईएल और गोशिलि को संयुक्त रूप से स्वायत्त रूप से नेविगेट किए गए जहाजों और उनके डेरिवेटिव, डिजिटल नियंत्रण और दुकानों के सिमुलेशन, जहाजों की नेटवर्किंग और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रक्षा और सिविलियन दोनों में किसी अन्य पहचाने गए क्षेत्र के क्षेत्र में उत्पाद / समाधान के विकास की दिशा में काम करने में सक्षम करेगा । श्री मनोज जैन, निदेशक (आर एंड डी), बीईएल, और कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यवि), गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने डिफेंस एक्सपो 2022 के दौरान बीईएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बीईएल और गोशिलि के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया ।

प्रथमोपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम

गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय एवं अन्य मान्यवरों की विशिष्ट उपस्थिति में डिचोली तालुका के स्कूल अध्यापकों के लिए वरिष्ठ प्रथमोपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया और गोशिलि की सीएसआर पहल के तहत सरकारी महाविद्यालय सांखली की प्रयोगशाला के लिए उपकरण भेंट किए ।

भारतीय तटरक्षक के लिए दो प्रदूषण नियंत्रण जहाजों का कील लेईंग

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक के लिए बनाए जा रहे 02 प्रदूषण नियंत्रण जहाजों का कील लेईंग समारोह गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में आयोजित किया गया।

भारतीय तटरक्षक महानिदेशक वी. एस. पठानिया ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और 02 पीसीवी परियोजना की नींव रखी। इस अवसर पर श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोशिलि ने डीजी, आईसीजी को इन जहाजों के निर्माण और डिजाइन की प्रगति के बारे में जानकारी दी, जो पूरी तरह से गोशिलि डिजाइन टीम द्वारा आंतरिक तौर पर डिजाइन किए गए हैं। "इन जहाजों को विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण के लिए तैयार किया गया है और इन्हें भारत में पहली बार डिजाइन किया गया है, इनमें एक महत्वपूर्ण स्वदेशी सामग्री भी होगी, जो **मेक इन इंडिया** और **आत्मनिर्भर भारत** के लक्ष्य के लिए सरकार के प्रोत्साहन को देखते हुए एक सराहनीय उपलब्धि है। यह प्रतिष्ठित अनुबंध गोशिलि ने प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से, जिसमें सार्वजनिक और निजी शिपयार्ड दोनों ने भाग लिया था, हासिल किया गया है । गोशिलि प्रवक्ता ने बताया कि जहाजों का वास्तविक निर्माण स्टील प्लेट कटिंग समारोह के साथ शुरू हुआ जो 22 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया था । प्लेट कटिंग समारोह का आयोजन आईजी एस परमेश, सीओएमसीजी (पश्चिम), मुंबई के हाथों संपन्न हुआ।

प्रदूषण नियंत्रण पोत की मुख्य भूमिका हमारे देश के विशाल ईईजेड में और विभिन्न पड़ोसी द्वीपों के आसपास समर्पित तेल रिसाव प्रतिक्रिया कार्यों को पूरा करना और एक अभिन्न ट्विन इंजन हेलीकाप्टर का संचालन करना है। समुद्री प्रदूषण का जवाब देना एक अत्यधिक तकनीकी कार्य है जिसके लिए विशेष और समर्पित उपकरणों की आवश्यकता होती है और इन जहाजों को अत्याधुनिक प्रदूषण नियंत्रण और प्रतिक्रिया सुविधाओं से सुसज्जित किया जाता है । एक मीडिया बयान में कहा गया कि - "गोशिलि डिजाइन टीम द्वारा पूरी तरह से डिजाइन किए गए इस पोत की कुल लंबाई 114.5 मीटर, चौड़ाई 16.5 मीटर और गहराई 4.5 मीटर होगी और यह जहाज पर 129 कर्मियों (14 अधिकारियों और 115 नाविकों) को ले जाने में सक्षम है।

गोशिलि प्रवक्ता ने कहा कि इस पोत की अधिकतम गति 6000 समुद्री मील की क्षमता के साथ 22 समुद्री नोट्स होगी। यह पोत ओशन बूम के 4 सेट, नियर शोर बूम के 5 सेट, 8 स्किमरों और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के लिए 05 रिकवरी ऑयल स्टोवेज पोर्टेबल बार्ज से लैस होगा। गोशिलि द्वारा समय पर सुपुर्दगी की निरंतर परंपरा को ध्यान में रखते हुए इन जहाजों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुपुर्द किए जाने की संभावना का ध्यान रखा गया है।

डीपीएसयू एचआर मीट

बदलती मानव संसाधन नीतियों और प्रक्रियाओं की नवीनतम जानकारी साझा करने के लिए गोवा शिपयार्ड ने 23 एवं 24 फरवरी 2023 को "शिपयार्ड सदन" में तीसरे डीपीएसयू एचआर मीट का आयोजन किया गया, जिसमें 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के वरिष्ठ मानव संसाधन प्रमुख शामिल हुए। कमोडोर (निवृत्त) पी.आर. हरि, भानौ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ायी। नवगठित ओएफबी डीपीएसयू ने भी भाग लिया। दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य डीपीएसयू के मानव संसाधन अधिकारियों के बीच ज्ञान साझा करना और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करना था।

इस अवसर पर गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कैप्टन जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि), श्री सुनील एस. बागी, निदेशक (वित्त) तथा अन्य रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। डीपीएसयू के वक्ताओं ने मौजूदा कारोबार के परिदृश्य में उद्यमों को आगे बढ़ाने में एक सक्षम शक्ति के रूप में एचआर की प्रासंगिकता पर जोर दिया । उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एचआर को विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के उपयोग का लाभ उठाकर प्रमुख भूमिका निभानी है।

बैठक के दौरान, कर्मचारी संपर्क के लिए डीपीएसयूस द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्य प्रणाली से लेकर कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) आधारित एचआर चैटबॉट तक विभिन्न विषयों पर विचार-मंथन सत्र आयोजित किया गया। चूंकि, यह ओएफबी डीपीएसयूस की पहली एचआर बैठक थी, ओएफबी डीपीएसयूएस के लिए उनके प्रश्नों को संबोधित करने के लिए एक विशेष सत्र था। संगठित रूप से विचारों का आदान-प्रदान करने, ज्ञान साझा करने और डीपीएसयू के कुछ प्रचलित मानव संसाधन मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक अनूठा मंच बनाने के लिए 02 दिवसीय कार्यक्रम को विशेष रूप से गोवा शिपयार्ड द्वारा आयोजित किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राकास) बैठक

दिनांक 30 सितंबर 2022, दिनांक 23 दिसंबर 2022 एवं दिनांक 30 मार्च 2023 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 94वीं, 95वीं तथा 96वीं बैठक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक के दौरान समिति ने गोशिलि के आंतरिक अनुभागों/विभागों में हिंदी की प्रगति बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों की स्थिति की समीक्षा की गई।

गोवायार्ड दर्शन का विमोचन

दिनांक 30 मार्च 2023 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 96वीं बैठक के दौरान श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा छमाही हिंदी ई-पत्रिका गोवायार्ड दर्शन के डिजीटल प्रति का विमोचन सभी विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में किया गया।

हिंदी कार्यशाला

रक्षा मंत्रालय, राजभाषा विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार हर तिमाही में न्यूननतम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाना अनिवार्य है।

अक्तूबर-दिसंबर तिमाही

दिनांक 17 एवं 18 नवंबर 2022 को अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। हिंदी कार्यशाला का संचालन श्री संतोष सावंत, मुख्य अधीक्षक, राजभाषा द्वारा किया गया। कुल 18 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया।

जनवरी-मार्च तिमाही

दिनांक 23 फरवरी 2023 को पूर्वाह्न 10.00 से 12.30 बजे एवं अपराह्न 14.00 से 16.30 बजे के दौरान अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला का संचालन संकाय अतिथि श्री संतोष कुमार, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना एवं श्री संतोष एस. सावंत, अधीक्षक (राजभाषा) द्वारा किया गया । कुल 12 अधिकारियों/ पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों ने इस कार्यशाला का लाभ उठाया।

हिंदी पारंगत प्रशिक्षण

पारंगत प्रशिक्षण के आठवें बैच (जुलाई-नवंबर सत्र) के लिए गोशिलि के कुल 21 कार्यपालकों, पर्यवेक्षकों एवं कार्यालय सहायकों का नामित किया गया था । दिनांक 05 जुलाई 2022 से प्रति मंगलवार एवं गुरुवार को 1000 बजे से 1230 बजे तक ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया गया । कक्षाओं का संचालन श्री संतोष कुमार, हिंदी प्राध्यापक द्वारा किया गया । दिनांक 19 नवंबर 2022 को पारंगत परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में गोशिलि से कुल 18 परीक्षार्थी शामिल हुए। सभी परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए। श्री महेश गंगाधर पुजार ने 200 अंकों में से 168 तथा श्रीमती सुप्रिया सदानंद भंडारी एवं श्री गणेश गोकुलदास नाईक ने 200 अंकों में से 166 अंक प्राप्त कर क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

दिनांक 30 सितंबर 2022 को अपराह्न 1500 बजे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण गोवा के सितंबर माह की बैठक डॉ. वेंकट रमणा अक्कराजु, अध्यक्ष, मुरगांव पत्तन प्राधिकरण की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में गोशिलि की ओर से श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) एवं श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने भाग लिया। डॉ. सुस्मिता भट्टाचार्य, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, मुंबई क्षेत्र ने बैठक में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। बैठक में तकनीकी साधनों का उपयोग करते हुए हिंदी के कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए केन्द्रीय सरकारी कार्यालय, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और बैंकों को दक्षिण गोवा, नराकास द्वारा राजभाषा रोलिंग शील्ड और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड को वर्ष 2021-22 में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट निष्पादन के लिए द्वितीय स्थान पर राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया। राजभाषा रोलिंग शील्ड और प्रमाण पत्र श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) ने ग्रहण किया।

द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 2022

14 एवं 15 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित रहे । इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री निशिथ प्रमाणिक, रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शन जरदोश, शिक्षा राज्य मंत्री श्री राजकुमार रंजन सिंह और राजभाषा विभाग की सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे । कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न मंत्रालयों, कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रम, बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों आदि ने लगभग 9500 की संख्या में उपस्थित होकर हिंदी व राष्ट्र प्रेम के प्रति समर्पण प्रदर्शित किया ।

अपने संबोधन में गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आह्वान किया है कि आजादी के अमृत काल में देशवासियों को संकल्प लेना चाहिए कि आने वाले 25 सालों में हमारा देश किसी भी भाषायी लघुताग्रंथि से मुक्त होकर स्वभाषा का विकास करेगा और देश को दुनिया में सर्वोच्च स्थान पर पहुंचाएगा । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से देश में स्वभाषा में शिक्षा का बीज बोया है और देश जब आजादी की शताब्दी मनाएगा तब यह बीज वटवृक्ष बनकर देश की सभी भाषाओं को पल्लवित कर भारत को भाषा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का काम करेगा ।

अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी ने कहा था कि **"राजभाषा हिंदी के बिना ये राष्ट्र गूंगा है"**। हमारी राजभाषा और हमारी स्थानीय भाषाएं विश्व की सबसे समृद्ध भाषाओं में से एक है । जब तक हम इस बात का संकल्प नहीं करते कि इस देश का शासन, प्रशासन, इस देश का ज्ञान और अनुसंधान हमारी भाषाओं में होगा, तब तक हम इस देश की क्षमताओं का उपयोग नहीं कर सकते । उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी स्थानीय भाषाओं की प्रतिस्पर्धी भाषा नहीं है, बल्कि सभी स्थानीय भाषाओं की सखी है । हिंदी के समृद्ध होने से देश की सभी स्थानीय भाषाएं समृद्ध होंगी और स्थानीय भाषाओं की समृद्धि से हिंदी समृद्ध होगी । राजभाषा और स्थानीय भाषाओं द्वारा मिलकर पूरे देश से भाषायी लघुता की भावना को उखाड़ फेंकने का समय आ गया है । श्री अमित शाह जी ने अभिभावकों का आह्वान किया कि वे अपने घर में बच्चों से अपनी भाषा में बातचीत करें । बच्चों को उनके सुनहरे भविष्य के लिए अपनी भाषा जरूर सिखाएं, क्योंकि जब तक बच्चा स्वभाषा नहीं सीखता, तब तक वह देश की संस्कृति से नहीं जुड़ सकता ।

इस अवसर पर माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने हिंदी वृहद शब्दकोश हिंदी शब्द सिंधु संस्करण -1 तथा विश्वस्तरीय अनुवाद टूल कंठस्थ 2.0 का भी लोकार्पण किया । राजभाषा सम्मेलन के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा वर्तमान परिवेश में राजभाषा हिंदी की भूमिका के विषय में अति विशिष्ट एवं वरिष्ठ विद्वानों के विचार मंथन हेतु मंच प्रदान किया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने इस राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।

विश्व हिंदी दिवस 2023 का आयोजन

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हर साल 10 जनवरी को 'विश्व हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है । विश्व हिंदी दिवस का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि अब हिंदी भाषा विश्व स्तर पर स्थापित हो चुकी है । इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार राजभाषा हिंदी में सरकारी काम काज करने का संकल्प लेते हैं एवं हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन और संचालन करते हैं । विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार करना एवं संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को अधिकारिक भाषाओं की सूची में शामिल करना है । वर्ष 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रति वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस की घोषणा की थी । अत: प्रति वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है । 12वें विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन 15 से 17 फरवरी 2023 को फिजी में किया गया जिसका थीम था – पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम मेधा ।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) के उपलक्ष्य में दिनांक 12 जनवरी 2023 को राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड थे । राजभाषा संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में कप्तान मनोज जोशी, उप-संरक्षक, मुरगांव पत्तन प्राधिकरण को बुलाया गया था । उन्होंने तकनीकी क्षेत्र के विकास में हिंदी की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए । संगोष्ठी में उपस्थित सदस्यों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए । संगोष्ठी का संचालन श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया ।

हिंदी पखवाड़ा 2022

माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में दिनांक 14 एवं 15 सितंबर 2022 को हिंदी दिवस एवं दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का सम्मिलित आयोजन पहली बार दिल्ली से बाहर सूरत (गुजरात) में किया गया। गुजरात के मुख्यमंत्री, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, संसदीय राजभाषा समिति, राजभाषा विभाग एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में यह भव्य आयोजन राजभाषा से जुड़े सभी अधिकारियों के लिए बेहद उत्साह के साथ-साथ एक सुखद अनुभव था। सम्मेलन में राजभाषा से संबंधित अधिकारियों को राजभाषा विभाग द्वारा सम्मिलित होने का निर्देश दिया गया था और सूरत से ही माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्रीजी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर हिंदी पखवाड़ा 2022 का शुभारंभ किया गया। राजभाषा सम्मेलन के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा वर्तमान परिवेश में राजभाषा हिंदी की भूमिका के विषय में अति विशिष्ट एवं वरिष्ठ विद्वानों के विचार मंथन हेतु मंच प्रदान किया गया। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड की ओर से श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने इस राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 14 से 29 सितंबर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के निदेशक (वित्त), श्री सुनील बागी द्वारा पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। श्री एस. एस. कांबले, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), मेजर एच.आर. मधुसूदन, अपर महाप्रबंधक (प्रशासन) एवं अन्य विभाग प्रमुख इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजभाषा शपथ भी ली गई। निदेशक (वित्त) ने सभी कार्मिकों से अनुरोध किया कि वे अपने दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करते हुए अपना दायित्व निभाएं और इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर हिंदी पखवाड़ा 2022 को सार्थक बनाएं। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सैली थोमस, सहायक प्रबंधक (राजभाषा) ने किया ।

हिंदी दिवस के अवसर पर हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, माननीय गृह मंत्री जी एवं माननीय रक्षा मंत्री जी द्वारा जारी संदेशों की प्रति गोवा शिपयार्ड में दर्शक इंट्रानेट सिस्टम द्वारा सभी कार्मिकों को भेजी गई, ताकि इन संदेशों से प्रेरणा लेते हुए सरकारी काम-काज में हिंदी के प्रयोग को निरंतर बढ़ाया जा सके।

दिनांक 30 सितंबर 2022 को बहुउद्देशीय हॉल, एमसीएमवी बिल्डिंग में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री बी. के. उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (निगमित योजना परियोजना एवं व्यापार विकास), श्री सुनील एस. बागी, निदेशक (वित्त), श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) तथा अन्य विभाग प्रमुखों की उपस्थिति में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार / प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समापन समारोह के अवसर पर गोशिलि की प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में, जैसे टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कार्मिकों के बच्चों के लिए पुरस्कार योजना तथा हिंदी पत्रिका गोवायार्ड दर्शन में छपी उत्कृष्ट रचनाओं और कविताओं हेतु पुरस्कार प्रदान किए गए ।

हिंदी पखवाड़ा 2022 के दौरान विभिन्न अखिल गोवा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसका विवरण निम्नानुसार है :

i) दिनांक 15 सितंबर 2022 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए गोशिलि में हिंदी की प्रगति हेतु सुझाव प्रतियोगिता (कैप्शन/घोष वाक्य) का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम

श्री योगेंद्र दिनकर आडारकर
नव निर्माण (वेल्डिंग)
द्वितीय

श्री अभिषेक सिंह
अग्नि सचिवालय
तृतीय

श्रीमती सपना परब
वाणिज्य
तृतीय

ii) दिनांक 16 सितंबर 2022 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए सुलेख (सुंदर हस्तलेख) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 17 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

श्री अश्वनी कुमार
केऔसुब (अग्निशमन)
प्रथम

श्री लखन राठौर
मशीन शॉप
द्वितीय

श्रीमती बिंदिया सावंत
आधुनिकीकरण
तृतीय

iii) दिनांक 17 सितंबर 2022 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 07 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सुश्री संगीता जयंत नाईक
निदेशक (सचिवालय)
प्रथम

श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय

श्रीमती अनिषा नाईक
मानव संसाधन एवं प्रशासन
तृतीय

iv) दिनांक 19 सितंबर 2022 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था **आजादी का अमृत महोत्सव**। कुल 18 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम

श्रीमती स्वाति डी. सुर्लकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन
द्वितीय

श्री लखन राठौर
मशीन शॉप
तृतीय

v) दिनांक 20 सितंबर 2022 को गोशिलि अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों एवं केऔसुब (गोशिलि ईकाई) के लिए हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था कार्यस्थल पर महिलाओं पर होने वाले यौन उत्पीड़न। कुल 06 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

श्रीमती निलोफर आर. बागवान
मानव संसाधन एवं प्रशासन
प्रथम

श्रीमती हर्षदा श्रीनेश हिंदे
सचिवीय एवं विधि
द्वितीय

श्री लखन राठौर
मशीन शॉप
तृतीय

vi) दिनांक 21 सितंबर 2022 को दक्षिण गोवा, नराकास के तत्वावधान में अखिल गोवा राज्य स्तरीय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न सरकारी कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों से कुल 24 प्रतियोगिता में भाग लिया।

श्री विशाल नारायण
आयएनएस हंस, दाबोलिम
प्रथम

डॉ. स्नेहा गौर
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक II
द्वितीय

श्रीमती शेषाद्री
यूको बैंक, वास्को
तृतीय

vii) दिनांक 22 सितंबर 2022 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय छठवीं, सातवीं, आठवीं एवं नौवीं स्कूली बच्चों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न विद्यालयों के कुल 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कुमारी ईशा कामत माल्येकर
पीपल्स उच्च विद्यालय, पणजी
प्रथम

कलश मिश्रा
केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक II, वास्को
द्वितीय

कुमारी मौमी दास
नेवी चिल्ड्रन स्कूल, चिखली
द्वितीय

कुमारी इफरा शेख
मुरगांव उच्च विद्यालय, हेड लैंड, सडा
तृतीय

कुमारी आराध्य संजय मिश्रा
विद्या मंदिर स्कूल, चिखली
तृतीय

viii) दिनांक 23 सितंबर 2022 को अखिल गोवा राज्य स्तरीय दसवीं, ग्यारहवीं एवं बारहवीं स्कूली बच्चों के लिए हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विषय था "**स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भरता**"। इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न विद्यालयों के कुल 29 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

कुमारी मुक्ता देशपांडे
भाटिकर मॉडल हाई स्कूल, मडगांव
प्रथम

कुमारी गुनगुन घाटे
सेंट एंड्रयूज उच्च माध्यमिक विद्यालय, वास्को
द्वितीय

कुमारी खुशबू नाविक
सेंट जेवियर्स उच्च माध्यमिक विद्यालय, म्हापुसा
तृतीय

हिंदी कार्यशाला

राजभाषा विभाग से प्राप्त निर्देश के अनुसार प्रत्येक तिमाही में न्यूनतम एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया जाना अनिवार्य है। इस श्रृंखला में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत मूल रूप से हिंदी में किए गए कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिनांक 27 सितंबर 2022 को अधिकारियों/पर्यवेक्षकों/कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला के संचालन हेतु डॉ. शुभ्रता मिश्रा, लेखिका को अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया। गोशिलि के 22 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) द्वारा किया गया।

हिंदी प्रोत्साहन योजनाएं

गोवा शिपयार्ड में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक प्रोत्साहन योजनाएं हैं, जिनके अंतर्गत पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं।

1. हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना
2. हिंदी पत्रिका **'गोवायार्ड दर्शन'** में छपी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार योजना
3. दसवीं एवं बारहवीं परीक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हमारे कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रोत्साहन योजना

हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने हेतु प्रोत्साहन योजना

संघ की राजभाषा नीति का आधार प्रेरणा और प्रोत्साहन है। गोशिलि के सभी विभाग इसी दिशा में कार्यरत हैं। कर्मचारियों द्वारा अपने दैनिक कामकाज में अधिक-से-अधिक हिंदी का प्रयोग करने से अन्य सहयोगी कर्मचारियों को इससे प्रेरणा मिलती है तथा राजभाषा नीति के अनुपालन की सुनिश्चितता होती है। वर्ष के दौरान अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में किए गए कार्य के लिए तथा सफल कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान कर प्रेरित किया गया:

श्रीमती माया चोपडेकर
सतर्कता

श्रीमती जान्वी पंकज हलणकर
मानव संसाधन एवं प्रशासन

श्री राजाराम जी. शिंदे
उत्पादन

कार्मिकों के बच्चों के लिए प्रोत्साहन योजना

गोशिलि कर्मचारियों के बच्चों को हिंदी सीखने के लिए प्रेरित करने तथा हिंदी के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए संचालित दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में हिंदी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले हमारे कार्मिकों के बच्चों में से दो बच्चों को प्रथम तथा द्वितीय स्थान स्वरूप क्रमश: 2500/- रुपए एवं 1700/- रुपए और 3500/- रुपए एवं 2500/- रुपए की नकद राशि के पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र समापन समारोह के दौरान प्रदान किए गए।

दसवीं कक्षा

कुमारी ईशिता झा
सुपुत्री श्री दिलीप कुमार झा
वित्त

अनुनीत सिंह
सुपुत्र श्री संतोष कुमार सिंह
डिजाइन इंजीनियरिंग

हिंदी पत्रिका 'गोवायार्ड दर्शन' में छपी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार योजना

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में गति प्रदान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष नियमित रूप से गृह पत्रिका गोवायार्ड दर्शन का प्रकाशन किया जाता है एवं चयनित लेख और कविता रचनाकृति के लिए पुरस्कार प्रदान किया जाता है ।

लेख श्रेणी

गोवायार्ड दर्शन (अप्रैल-सितंबर 2021) में प्रकाशित लेखों में से सर्वश्रेष्ठ तीन लेखों को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

श्रीमती प्रीतिमा सिंह
वाणिज्य
प्रथम

श्री मंगेश शेट्ये
बिजली घर
द्वितीय

श्री पिंटू कुमार राम
नव निर्माण हल
तृतीय

कविता श्रेणी

गोवायार्ड दर्शन (अप्रैल-सितंबर 2021) में प्रकाशित कविता में से सर्वश्रेष्ठ तीन कविताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

श्री निलेश शिवा गावस
पेंट शॉप
प्रथम

श्री योगेंद्र दिनकर आडारकर
नव निर्माण (वेल्डिंग)
द्वितीय

कुमारी अंकिता वि. सावंत भोंसले
सुपुत्री श्री विलास पी. सावंत भोंसले, पेंट शॉप
तृतीय

अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब तक हम हिंदी का प्रयोग पूरी तरह से अपने दैनिक जीवन में नहीं करेंगे, तब तक हिंदी भाषा का समुचित विकास नहीं हो सकता। इसलिए हमारा प्रत्येक दिन हिंदी दिवस होना चाहिए ।

हिंदी दिवस / हिंदी सप्ताह

भारत सरकार, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए वर्ष 1991-92 के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार यह निर्देश दिया गया है कि सरकारी कामकाज में राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रति जागरुकता और उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से वर्ष में एक बार हिंदी दिवस / हिंदी सप्ताह मनाया जाए ।

हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाए, क्योंकि इसी तारीख को सन् 1949 में विधान सभा में हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था । हिंदी सप्ताह भी इसी दिन प्रारंभ किया जाए । यदि 14 सितंबर को अवकाश है तो आयोजन उससे ठीक दूसरे दिन प्रारंभ किया जाए ।

कौमी एकता सप्ताह

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 19 से 25 नवंबर 2022 तक कौमी एकता सप्ताह मनाया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। इस दौरान गोशिलि के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी, अंग्रेजी एवं कोंकणी में निबंध तथा कविता लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कर-कमलों से प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

संविधान दिवस

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार दिनांक 28 नवंबर 2022 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर गोशिलि में संविधान दिवस के स्मरणार्थ भारतीय संविधान की प्रस्तावना सभी अनुभागों / विभागों में पढ़ी गई। सभी कर्मचारियों को 1100 बजे अपने कार्यस्थल पर शपथ दिलाई गई।

सुरक्षा सप्ताह

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में दिनांक 04 से 10 मार्च 2023 तक सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस दौरान सुरक्षा सप्ताह बैज तथा पर्स दिए गए । सप्ताह के दौरान गोशिलि के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए हिंदी, अंग्रेजी, मराठी एवं कोंकणी में सुरक्षा घोष वाक्य, सुरक्षा पोस्टर (ड्राइंग) तथा सुरक्षा सुझाव प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । विजेताओं को स्वतंत्रता दिवस 2023 के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के कर-कमलों से प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

वर्ष 2022 के लिए, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने 31 अक्टूबर से 06 नवंबर, 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया गया, जिसका विषय **"विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत"** था । सीवीसी के निर्देशों के अनुरूप, एक अपने कर्मचारियों, ठेकेदारों, विक्रेताओं और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने और अखंडता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए उक्त सप्ताह के दौरान गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया । सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 का उद्घाटन 31 अक्टूबर 2022 को सुबह 10:30 बजे गोशिलि में पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ किया गया । इसके बाद अप्रनि द्वारा उपस्थित निदेशकों, मुख्य सतर्कता अधिकारी, सभी मुख्य महाप्रबंधकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को संगठन के लिए ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई । यह ई-प्रतिज्ञा ऑनलाइन डाउनलोड की गई थी। इस अवसर पर श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अप्रनि, गोशिलि ने वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया और भ्रष्टाचार से लड़ने और कार्यस्थल पर ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों से सहयोग का अनुरोध किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी, गोशिलि श्री संजय कृष्ण नव्हाले ने विभिन्न सतर्कता पहलुओं और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के महत्व पर भी अपने विचार साझा किए। उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन श्री लोचन कारेकर, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) ने किया।

समाज में विशेष रूप से युवाओं में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के सतर्कता विभाग ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर बिट्स पिलानी के सहयोग से 28 अक्टूबर 2022 को बिट्स पिलानी, के. के. बिड़ला, गोवा परिसर में अंतर महाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस प्रतियोगिता में बिट्स, पिलानी, गोवा कैंपस, कार्मेल कॉलेज फॉर वुमेन, डॉन बॉस्को कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्र, गोवा इंजीनियरिंग कॉलेज (जीईसी), सरकारी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, खंडोला, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी, गोवा) और एमईएस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के छात्रों ने भाग लिया ।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिट्स पिलानी, के. के. बिड़ला गोवा कैंपस के एसोसिएट डीन (एसडब्ल्यूडी), प्रोफेसर अंशुमन सरकार ने छात्रों को संबोधित किया और शैक्षणिक संस्थानों और कार्यस्थल में भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने के लिए अपने ज्ञान और अनुभव साझा किया । इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में प्रोफेसर सुकांत मंडल, मुख्य वार्डन और जैविक विज्ञान विभाग के संकाय और श्री सेबेस्टियाओ फर्नांडीस विभाग प्रमुख (सतर्कता) गोशिलि शामिल थे । कार्यक्रम का संचालन श्री लोचन कारेकर, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) ने किया और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड के विभाग प्रमुख (सतर्कता) श्री सेबेस्टियाओ फर्नांडिस द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया। पूरे देश में केंद्र सरकार और उसके अधीन अन्य संगठनों के विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा प्रति वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। इस तरह का पालन केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के बहु-आयामी दृष्टिकोण का एक हिस्सा है, जो सभी हितधारकों को सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार की रोकथाम और उसके खिलाफ लड़ाई में भाग लेने और भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों और गंभीरता और खतरे के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। वर्ष 2022 के लिए, सीवीसी ने **"भ्रष्टाचार मुक्त भारत, विकसित भारत" " विकसित राष्ट्र के लिए"** भ्रष्टाचार मुक्त भारत विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया था।

स्वच्छता पखवाड़ा 2022

स्वच्छ भारत पर जागरूकता फैलाने के लिए मार्च पास्ट

दिनांक 01 दिसंबर 2022 को गोशिलि एडमिन स्टाफ एवं प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों द्वारा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड मुख्य गेट से गोवा शिपयार्ड लिमिटेड मटेरियल गेट तक मार्च पास्ट किया गया । गोशिलि मुख्य द्वार से गोशिलि के बाहर के मटेरियल गेट क्षेत्र तक सड़क परिसर की सफाई गोशिलि प्रशिक्षुओं एवं ठेका श्रमिकों द्वारा की गई ।

शपथ ग्रहण एवं पोस्टर व बैनर का प्रदर्शन

दिनांक 01 दिसंबर 2022 को स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर गोशिलि के सभी कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शपथ ली गई और यार्ड के भीतर मार्च पास्ट में भाग लिया । कर्मचारियों और उनके परिवारों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए बैनर और पोस्टर भी लगाए गए ।

सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान

दिनांक 02 दिसंबर 2022 को केटीसी बस स्टैंड वास्को की स्वच्छता अभियान के तहत हर तरह का कचरा जैसे कागज, प्लास्टिक, रैपर, पत्ते आदि सफाई की गई । इस अभियान को वास्को बस स्टैंड और यात्रियों द्वारा सराहा गया ।

प्लॉगिंग गतिविधि एवं प्लास्टिक कचरा संग्रहण

दिनांक 03 दिसंबर 2022 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड मुख्य द्वार से चिकालिम तक सार्वजनिक सड़क सफाई के लिए प्लॉगिंग अभियान चलाया गया । गोशिलि स्वयंसेवकों और सफाई कर्मचारियों द्वारा सभी प्रकार के कचरे आगे के निपटान के लिए निर्दिष्ट कचरा डिब्बे में भरे गए । स्थानीय निवासियों द्वारा सराहना की गई ।

स्क्रैप मटेरियल का गोशिलि परिसर में निपटान

दिनांक 05 दिसंबर 2022 को स्क्रैप निपटान अभियान चलाया गया। गोशिलि यार्ड परिसर से सभी प्रकार के स्क्रैप की पहचान की गई । इन्हें विभिन्न प्रकार के स्क्रैप जैसे मेटल स्क्रैप, एल्युमीनियम स्क्रैप आदि के रूप में अलग करके स्क्रैप यार्ड में एकत्र किया गया। स्क्रैप पृथक्करण से पर्यावरणीय नियमों का पालन करते हुए स्क्रैप के उचित निपटान में मदद मिली।

पुरानी फाइलों एवं उपकरणों तथा कार्यालय फर्नीचर की छंटाई

दिनांक 05 दिसंबर 2022 को अप्रयुक्त और अप्रचलित कार्यालयीन फाइलों को नियमित फाइलिंग कैबिनेट से फाइलों की छंटाई की गई । बाद में इन फाइलों को उचित समूहन और पृथक्करण द्वारा कार्यालय स्टोर रूम रैक में स्थानांतरित कर दिया गया। कार्यालय के फर्नीचर जैसे मेज, कुर्सियां, अलमारी आदि की भी सफाई की गई, जिसके परिणामस्वरूप कार्यालय का वातावरण स्वच्छ हुआ।

गोशिलि कॉलोनी में वृक्षारोपण

गोशिलि ट्रांजिट हाउस में दिनांक 06 दिसंबर 2022 को वृक्षारोपण अभियान चलाया गया । गोशिलि स्टाफ और स्वयंसेवकों द्वारा गोशिलि ट्रांजिट हाउस और कॉलोनी परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार और फूलों वाले पेड़ लगाए गए आम, चीकू, अमरूद आदि जैसे फलों के पौधे के साथ नीम जैसी औषधीय गुणों वाले पौधे भी रोपे गए। यह वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण को और अधिक हरा भरा और सुंदर बनाने में मदद करेगा।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए संगोष्ठी

दिनांक 07 दिसंबर 2022 को दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व और कार्यस्थल को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र बनाने पर प्रशिक्षु केंद्र के छात्रों और अनुबंध श्रमिकों के लिए अध्ययन एवं विकास टीम द्वारा एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी । संगोष्ठी में 50

प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रस्तुतकर्ता ने स्वास्थ्य और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया । खुद को सभी प्रकार की बीमारियों से मुक्त रखने के लिए और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रतिभागियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता का अभ्यास करने के विभिन्न तरीकों पर व्याख्यान दिया गया ।

पोस्टरों का प्रदर्शन

दिनांक 07 दिसंबर 2022 को गोशिलि के अंदर और बाहर एक पोस्टर प्रदर्शन अभियान भी आयोजित किया गया ताकि स्थानीय जनता और गोशिलि कर्मचारियों के बीच अपने दैनिक जीवन में एकल प्लास्टिक के उपयोग से बचने के लिए जागरूकता पैदा की जा सके और एकल प्लास्टिक के उपयोग के कारण उसके निपटान से पर्यावरण को हो रही क्षति से बचाया जा सके ।

दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व पर संगोष्ठी

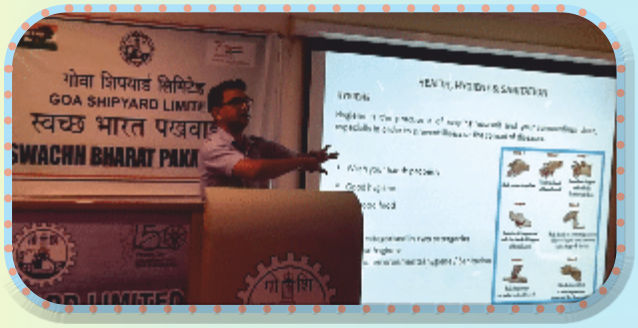

दिनांक 08 दिसंबर 2022 को चिकित्सा विभाग मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा ठेका मजदूरों के लिए दैनिक जीवन में स्वच्छता का महत्व विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया । इसमें जीवन में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा की गई । अस्वच्छ वातावरण के कारण फैलने वाले विभिन्न प्रकार के रोगों के लक्षण मच्छरों के कारण डेंगू बुखार, जापानी इंसेफेलाइटिस, मलेरिया, फाइलेरिया, चिकनगुनिया आदि के बारे में बताया गया, तथा साथ ही इन बीमारियों से खुद को दूर रखने के उपाय भी बताए गए । स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया गया ।

गोशिलि एवं आवासीय परिसरों में प्लास्टिक कचरे का संग्रहण

दिनांक 09 दिसंबर 2022 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड कॉलोनी की सफाई के लिए प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन ड्राइव का आयोजन किया गया । गोशिलि स्वयंसेवकों और सफाई कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे प्लास्टिक कचरा, कागज कचरा, रैपर, प्लास्टिक की बोतलें आदि एकत्र किए गए कचरे को अलग किया गया और आगे के निपटान के लिए निर्दिष्ट कचरा डिब्बे में निपटाया गया।

स्वच्छता के महत्व विषय पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता

दिनांक 10 दिसंबर 2022 को गोशिलि अधिकारी, पर्यवेक्षक और कर्मचारियों के बच्चों के लिए स्वच्छता के महत्व विषय पर एक निबंध और ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई । इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया और इसे सफल बनाया । बच्चों ने रंगीन चित्र बनाकर खुद को और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने और स्वच्छ भारत में योगदान देने का संदेश दिया । प्रतियोगिता गोशिलि ऑफिसर्स क्लब में आयोजित की गई ।

चिल्ड्रन पार्क की सफाई

दिनांक 11 दिसंबर 2022 को वाडें स्थित चिल्ड्रन पार्क की सफाई की गई । पार्क से सभी प्रकार के कचरे जैसे चारों ओर फैले सूखे पत्ते, टहनियां, प्लास्टिक की बोतलें, कागज आदि को हटाया गया। खेलने की जगह की भी सफाई की गई । सफाई कार्यक्रम को स्थानीय जनता और क्षेत्र के निवासियों से अच्छी सराहना मिली । बच्चों और स्थानीय जनता द्वारा उपयोग के लिए इस क्षेत्र को साफ किया गया ।

प्रशासनिक कार्यालयों में ई-कचरे और नगर से एकत्र किए गए प्लास्टिक कचरे का निस्तारण

दिनांक 12 दिसंबर 2022 को सभी प्रकार के ई-कचरे को विभागवार इकट्ठा किया गया । इन कचरे में पुराने अनुपयोगी पर्सनल कंप्यूटर, प्रिंटर, कीबोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक कैल्कुलेटर शामिल थे । सभी इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के कचरे को उचित तरीके से निपटाने के लिए आईटी अनुभाग के स्टोर रूम में उचित तरीके से रखा गया । विभिन्न विभागों से ई-कचरे की निकासी के कारण कार्यस्थल में अतिरिक्त जगह बन गई, जिससे स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण का निर्माण हुआ।

गोशिलि परिसर एवं आवासीय परिसर में जल निकासी व्यवस्था हेतु सफाई अभियान

दिनांक 13 दिसंबर 2022 को गोशिलि यार्ड के अंदर एक सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें बायो-डिग्रेडेबल और नॉन-बायो-डिग्रेडेबल जैसे सभी प्रकार के कचरे को एकत्र किया गया । इन कचरे को बाद में गीला कचरा और सूखा कचरा और अन्य प्रकार के कचरे में अलग किया गया । सभी एकत्रित कचरे को अलग-अलग करके गोशिलि के अंदर रखे कूड़ेदानों में उनकी प्रकृति के अनुसार डाल दिया गया ।

कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए मिनी मैराथन

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड स्टाफ ने दिनांक 14 दिसंबर 2022 को आयोजित एसकेएफ गोवा रिवर मिनी मैराथन में भाग लिया । यह जुआरी नदी के किनारे 42 किलोमीटर की मैराथन थी । गोवा पुलिस के ट्रैफिक सेल ने मैराथन रोड के साथ-साथ ट्रैफिक को व्यवस्थित किया । मैराथन में सभी वर्ग के लोगों ने व्यापक भागीदारी की ।

विजेताओं को पुरस्कार वितरण

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड का स्वच्छ भारत पखवाड़ा स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को गणतंत्र दिवस 2023 के समारोह के दौरान पुरस्कार प्रदान किए गए । समारोह में गोशिलि के विभाग प्रमुखों ने भाग लिया और विजेताओं को प्रमाण-पत्रों के साथ पुरस्कार वितरित किए ।

66वां महापरिनिर्वाण दिवस

गोशिलि में 6 दिसंबर 2022 को 'भारत रत्न' डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को उनके 66वें महापरिनिर्वाण दिवस पर भारतीय संविधान के शिल्पकार के रूप में श्रद्धांजलि दी गई। 6 दिसंबर 2022 को 66वें महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) की अध्यक्षता गोशिलि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री बृजेश कुमार उपाध्याय ने की । इस अवसर पर गोवा शिपयार्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति संगठन के सदस्यों द्वारा धम्म वंदना, सामूहिक प्रार्थना और पंचशील का पाठ किया गया।

इस अवसर पर कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि), श्री सुनील एस. बागी, निदेशक (वित्त), श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन), अन्य विभाग प्रमुखों, अधिकारियों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के संपर्क अधिकारी श्री अशोक कुमार गौतम, गोवा शिपयार्ड अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, श्री संतोष एस. सावंत, महासचिव श्री कायतान सूजा, सहायक सचिव श्री संजय कुमार राम, कोषाध्यक्ष कुमारी पूर्णिमा सावंत, सलाहकार श्री राजेन्द्र एस. केरकर, कार्यकारी समिति के सदस्य श्री योगेश सी. कवलेकर, श्री चेतन एस. परदेशी और अन्य कार्यकारी समिति के सदस्य उपस्थित थे । सभी ने साथ मिलकर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

महिला दिवस समारोह 2023

इस वर्ष महिला दिवस की थीम "डिजिटआल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार एवं प्रौद्योगिकी" थी। इस अवसर पर, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने रॉयल ऑर्किड रिज़ॉर्ट, उतोर्दा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें गोशिलि में कार्यरत सभी महिलाओं ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए उल्हास और उत्साह के साथ सभी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया । सुश्री एगना क्लीटस, भारतीय प्रशासनिक सेवा, उप-जिलाधिकारी एवं एसडीएम II, सालसेट कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी । श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कैप्टन (निवृत्त) जगमोहन, निदेशक (नियोप एवं व्यावि), श्री सुनील कुमार बागी, निदेशक (वित्त), श्रीमती कामना उपाध्याय, श्रीमती नंदिता जगमोहन और श्रीमती संगीता बागी के साथ कैग लेखा परीक्षक ऑडिटर श्रीमती जयंती ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी । महिला दिवस कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्रीमती छाया जैन ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और उसके बाद पारंपरिक दीप प्रज्वलित किया गया । श्रीमती आरंगि विरिथा, वरिष्ठ प्रबंधक (कैड/कैम) ने अपने स्वागत नृत्य द्वारा वंदना प्रस्तुत की । मुख्य अतिथि श्री बृजेश कुमार उपाध्याय, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अपने संबोधन में महिलाओं की विभिन्न भूमिकाओं पर और वे अपने पेशे और परिवार के बीच कैसे संघर्ष करती हैं, के बारे में अपने विचार व्यक्त किए । उद्घाटन कार्यक्रम का समापन महिला दिवस समारोह की अध्यक्षा श्रीमती छाया जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। ब्रेक के दौरान अल्पाहार के साथ हाई टी की व्यवस्था की गई थी । दिमाग को तरोताजा करने के बाद महिला अधिकारों पर श्री ईशान उसपकर द्वारा महिला अधिकारों पर सत्र का आयोजन किया गया, जो वास्तव में प्रेरणादायक था और इस सत्र का उद्देश्य महिलाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना था। सभी महिला कर्मचारियों के लिए लंच रिट्रीट पर स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई थी ।

दूसरे सत्र की शुरुआत पोंटेमोल की मल्टीप्रोसेसिंग यूनिट की आदिवासी महिलाओं से बातचीत के साथ हुई ताकि इन महिलाओं को इस परियोजना के बारे में अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच दिया जा सके । गोवा भारत के मध्य पश्चिमी तट पर स्थित सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है । समृद्ध जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए, "गोवन प्रोजेक्ट" (गो का अर्थ है "गोवा" और वन का अर्थ है "वन" वन उपज पर अधिक जोर देने के लिए एक साथ रखा गया है) गोशिलि द्वारा अपनी सीएसआर पहल के तहत आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से संरक्षण प्राप्त करने के लिए शुरू किया गया था । यह परियोजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग विशेष रूप से आदिवासी महिलाओं, जिनके पास कम जमीन है और यहां तक कि कम शैक्षिक योग्यता वाले भूमिहीन नौकरी के इच्छुक लोगों को आय का स्रोत प्रदान करके और पहले से ही अंशकालिक श्रमिकों और इनके घर के लिए अतिरिक्त आय के रूप में आय बढ़ाने का एक वैकल्पिक साधन है।

जैव विविधता प्रबंधन समिति (बीएमसी) से जुड़ी आदिवासी महिलाओं को काजू, कटहल, शहद आदि गैर-इमारती वन उपज में मूल्यवर्धन के लिए प्रशिक्षण दिया गया । यह एक संवादात्मक सत्र था, जिसमें महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए और उन्हें इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मानित किया गया । इंटरएक्टिव सत्र के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में वाणिज्यिक विभाग की महिलाओं द्वारा कॉमेडी शो भी हुआ । इस प्रकार मानव संसाधन विभाग, वाणिज्यिक विभाग, वित्त विभाग, प्रेषण अनुभाग और एकल प्रदर्शन से नृत्य प्रदर्शन के लिए सक्रिय भागीदारी थी । रेट्रो बनाम ट्रेडिशनल और रेट्रो बनाम वेस्टर्न विषय पर फैशन शो के रूप में कुछ यादगार पल थे, जिसमें 20 महिलाओं के साथ कुल 10 जोड़े ने अपने रेट्रो, पारंपरिक और पश्चिमी पोशाक के साथ प्रदर्शन किया । महिलाओं ने प्लेकार्ड के माध्यम से "महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता" पर ध्यान आकर्षित किया । सोलो सिंगिंग, गेम्स और खूबसूरत केक ने हाउसवाइफ और वर्किंग वुमन के रूप में महिलाओं की दोहरी भूमिका को दर्शाया गया । संगीत की धुन पर नृत्य के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अश्विला शेटगांवकर, प्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। 14 अप्रैल 2023 को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मुंबई डॉक विस्फोट के सभी अग्निशामक शहीदों को वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा उनकी निस्वार्थ सेवा और निडर कर्तव्यपरायणता के लिए श्रद्धांजलि दी गई। अग्नि सुरक्षा के विषय में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सीआईएसएफ की अग्नि सुरक्षा टीम ने इस अवसर पर अग्निशमन सेवा संबंधी प्रदर्शन किया।

लेफ्टिनेंट जनरल का संदर्शन

दिनांक 23 जनवरी 2023 को लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, कमांडेंट, आर्मी वॉर कॉलेज, महू के नेतृत्व में हायर कमांड कोर्स 51 के अधिकारियों ने गोवा में नौसेना और औद्योगिक दौरे के दौरान गोवा शिपयार्ड लिमिटेड का दौरा किया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल ने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ बातचीत की और उन्हें चल रही परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी गई।

जीआरएसई के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदर्शन

कमोडोर (निवृत्त) पी.आर. हरि, भारतीय नौसेना, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) ने 23 फरवरी 2023 को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड का दौरा किया । इस अवसर पर उन्हें निष्पादन के तहत चल रही विभिन्न परियोजनाओं से अवगत कराया गया। कमोडोर (निवृत्त) पी.आर. हरि ने गोशिलि के उन्नत बुनियादी अवसंरचना की सराहना की और भविष्य में दोनों शिपयार्ड द्वारा सहयोगात्मक कार्यों पर चर्चा के लिए वरिष्ठ प्रबंधन के साथ सार्थक बैठक की।

आयआयटी मद्रास की टीम का संदर्शन

मेक इन इंडिया के अंतर्गत स्वदेशीकरण के अवसरों एवं आयात प्रतिस्थापन के विषय में जानकारी प्राप्त करने हेतु आयआयटी मद्रास की टीम ने गोशिलि का दौरा किया। आयआयटी मद्रास की टीम के साथ गोशिलि के वरिष्ठ प्रबंधन और डिजाइन टीम द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा जहाज निर्माण के संबंध में जानकारी दी गई।

वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ का संदर्शन

वाइस ऐडमिरल एस. एन. घोरमाडे, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम, एडीसी नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख ने गोशिलि में, कार्यान्वयन की जा रही विभिन्न जहाज निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए दौरा किया । फ्लैग ऑफिसर ने अग्रनि और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ बातचीत की और उन्नत की गई अवसंरचना और यार्ड के प्रयासों की सराहना की ।

रक्षा सचिव का गोशिलि संदर्शन

श्री गिरिधर अरमाने ,भाप्रसे, रक्षा सचिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने 02 जनवरी 2023 को गोशिलि का दौरा किया । संदर्शन के दौरान, रक्षा सचिव ने नए सेटअप वर्चुअल रियलिटी सेंटर का उद्घाटन किया । वर्चुअल रियलिटी सेंटर एक अत्याधुनिक सुविधा है, जो गोशिलि के डिजाइनरों को ड्राइंग बोर्ड पर ही ग्राहक की आवश्यकताओं को शामिल करने, बचत अर्जित करने और डिजाइन प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने में एक व्यापक अनुभव प्रदान करता है । यात्रा के दौरान, श्री बी. के. उपाध्याय, अप्रनि, गोशिलि द्वारा रक्षा सचिव को भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक के साथ-साथ गोशिलि में शिपयार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए चल रही परियोजना की प्रगति के बारे में जानकारी दी गई ।

रक्षा सचिव ने वरिष्ठ प्रबंधन से विचार-विमर्श किया और उनको आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत स्थापित की गई बुनियादी अवसंरचनाओं की सुविधा का संदर्शन किया । इस दौरान उन्हें विभिन्न विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं, विशेष रूप से जीआरपी कंपोजिट फेसिलिटी से अवगत कराया गया, जो रक्षा और निर्यात के लिए हथियार गहन और उच्च प्रौद्योगिकी जहाजों के निर्माण के लिए गोशिलि को स्वदेशी क्षमता प्रदान करेगा । रक्षा सचिव ने निर्माणाधीन जहाजों आर एंड डी, शिपयार्ड द्वारा किए जा रहे नवाचार और डिजाइन में गहरी रुचि ली और यार्ड द्वारा किए गए अच्छे कामों की सराहना करते हुए, उन्होंने गोशिलि से उत्पादकता एवं कारोबार को और आगे बढ़ाने तथा जहाज निर्माण के क्षेत्र में नवीनतम उभरती प्रौद्योगिकियों और नए कौशल को अपनाने का आग्रह किया । गोशिलि के अधिकारियों को अपने संबोधन के दौरान, रक्षा सचिव ने कहा कि गोशिलि ने देश के जहाज निर्माण उद्योग में उच्च मानक स्थापित किए हैं और अधिक पोतों के आदेश हासिल करने, उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए अधिक ऑर्डर प्राप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए । साथ ही देश के स्टार्टअप और इनोवेटर्स का समर्थन करने की दिशा में काम करना चाहिए ।

अन्य पिछड़े वर्गों हेतु कल्याण समिति

माननीय अध्यक्ष श्री राजेश वर्मा जी के नेतृत्व में अपिव कल्याण समिति ने 12 नवंबर 2022 को गोशिलि अन्य पिछड़े वर्ग (अपिव) संगठन और प्रबंधन के साथ बातचीत की । गोवा में अध्ययन दौरे के दौरान समिति ने गोशिलि का भी दौरा किया । अप्रनि ने विभिन्न जहाज निर्माण गतिविधियों और गोशिलि के आधुनिक अवसंरचना पर जानकारी दी ।

श्रम, कपड़ा और कौशल विकास हेतु समिति

माननीय सांसद श्री भर्तृहरि महताब जी की अध्यक्षता में 16 नवंबर 2022 को श्रम, कपड़ा और कौशल विकास हेतु संसदीय स्थायी समिति ने अनुबंधित कर्मचारियों के कल्याण के लिए श्रम कानूनों के कार्यान्वयन के संबंध में गोशिलि प्रबंधन और अनुबंधित कर्मचारियों के साथ बैठक की।

सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति

दिनांक 23 सितम्बर 2022 को माननीय सांसद श्री संतोष कुमार गंगवार जी की अध्यक्षता में सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति ने अपने अध्ययन दौरे के दौरान प्रबंधन से बातचीत की । समिति के सदस्यों ने अगले दिन गोवा शिपयार्ड लिमिटेड का भी संदर्शन किया ।

अजा/अजजा के कल्याण हेतु समिति

दिनांक 11 जनवरी 2023 को माननीय अध्यक्ष डॉ. (प्रोफेसर) कीर्ति प्रेमजीभाई सोलंकी की अध्यक्षता में अजा/अजजा के कल्याण हेतु माननीय संसदीय समिति ने अपने गोवा अध्ययन के दौरे के दौरान गोशिलि के अजा/अजजा संघ और प्रबंधन से अजा/अजजा के कल्याण उपायों के कार्यान्वयन के संबंध में चर्चा की ।

कोविड-19 टीकाकरण

गोशिलि ने कर्मचारियों और आश्रितों के लाभ के लिए कंपनी परिसर में कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम लागू किया। गोशिलि प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र में कुल 6500 टीकाकरण खुराक दी गई । गोशिलि ने मई 2022 में कर्मचारियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण आयोजित किया। यह कोर्स सेंट जॉन्स एम्बुलेंस एसोसिएशन, गोवा चैप्टर द्वारा संचालित किया गया । 79 कर्मचारियों को पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया और 22 कर्मचारियों ने वरिष्ठ प्राथमिक चिकित्सा पाठ्यक्रम में भाग लिया।

टीबी जागरूकता कार्यक्रम

प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गोशिलि कर्मचारियों के लाभ के लिए 23 सितंबर 2022 को कार्यस्थल पर तपेदिक की रोकथाम विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया । चेस्ट फिजिशियन डॉ. आकाशदीप अरोड़ा ने जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया। इस कार्यक्रम में गोशिलि के 40 कर्मचारियों ने भाग लिया।

हृदय रोग पर जागरूकता कार्यक्रम

30 सितंबर 2022 को स्वस्थ हृदय और हृदय रोग पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया । प्रसिद्ध कार्डियोथोरेसिक वैस्कुलर और ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. शनमुख हिरेमठ ने हृदय रोग पर व्याख्यान प्रस्तुत किया । डॉ. शनमुख हिरेमठ 25 से अधिक वर्षों के अनुभवी वरिष्ठ परामर्शदाता हैं और उन्होनें अपने कैरियर में 10,000 से भी अधिक प्रक्रियाएं की है । हृदय रोग दुनिया भर में मृत्यु दर का सबसे आम कारण है, लेकिन जीवन शैली में बदलाव करके हृदय रोगों के बढ़ने के जोखिम को आसानी से रोका जा सकता है । शुरूआती निदान और शीघ्र उपाय इस मृत्यु दर को काफी कम कर सकता है । उन्होंने स्वस्थ हृदय बनाए रखने के विभिन्न तरीकों और हृदय संबंधी बीमारियों के उपचार के तरीकों पर भी बात की । इस सत्र में गोशिलि के 50 कर्मचारियों ने भाग लिया ।

बदलते संदर्भ में संगठन प्रमुखों की भूमिका

दिनांक 15.12.2022 को बहुउद्देश्यीय हॉल, एमसीएमवी भवन, गोशिलि में श्री गोपाल पी. महापात्रा, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस-ओबी एंड एचआरएम, भारतीय प्रबंधन संस्थान, बैंगलोर द्वारा बदलते संदर्भ और नेतृत्वकर्ताओं की उभरती भूमिकाओं पर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। अतिथि संकाय ने अपनी प्रस्तुति में संगठनात्मक उत्कृष्टता प्राप्त करने के संबंध में बदलते परिदृश्य में संगठन प्रमुखों की उभरती भूमिकाओं पर जोर दिया। इस अवसर पर श्री मनोरंजन खुंटिआ, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) भी उपस्थित रहे और उन्होंने संकाय महोदय का परिचय दिया। सत्र में वरिष्ठ प्रबंधक से अपर महाप्रबंधक पद के 37 अधिकारियों ने भाग लिया।

गोशिलि द्वारा दिव्यांग कर्मचारियों के लिए कार्यक्रम

27 अक्टूबर 2022 को होटल वार्का ले पाम बीच रिज़ॉर्ट, कांसाउलिम, गोवा में श्री राजेश गांवकर द्वारा गोशिलि के विशेष रूप से दिव्यांग कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय ग्रो एंड ग्लो आउटबाउंड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेष रूप से दिव्यांग 16 कर्मचारी कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

कार्यक्रम मॉड्यूल को अक्षम कर्मचारियों की आवश्यकताओं के अनुरूप डिज़ाइन किया गया था। जिन विषयों पर व्याख्यान हुए, वे संगठनात्मक जुड़ाव, संचार कौशल, तनाव प्रबंधन, सामाजिक समायोजन, टीमों में काम करना, मानसिक स्वास्थ्य, प्रेरणा और अन्य व्यवहारिक कौशल से संबंधित थे। सभी प्रतिभागियों ने खूब सराहा। प्रतिभागियों ने विशेष रूप से दिव्यांग कर्मचारियों के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए गोशिलि प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री शशिकांत कांबले, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री शेख अब्दुर रहमान, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशिक्षण) कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित थे। कार्यक्रम का समन्वयन श्री राजेन्द्र केरकर, कनिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन/प्रशिक्षण) द्वारा किया गया।

भारत एक कृषि प्रधान देश

भारत एक कृषि प्रधान देश है । भारत की लगभग 70% जनसंख्या गांव में रहती है । इस जनसंख्या का अधिकांश भाग कृषि पर ही निर्भर रहता है । कृषि ने ही भारत को अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में विशेष ख्याति प्रदान की है । भारत के आय का लगभग 30% कृषि से ही आता है । भारतीय समाज का संगठन और संयुक्त परिवार प्रणाली आज के युग में कृषि व्यवसाय के कारण ही अपना महत्व बनाया है । फिर भी आश्चर्य की बात यह है कि हमारे देश में कृषि क्षेत्र बहुसंख्यक जनता का मुख्य और महत्वपूर्ण व्यवसाय होते हुए भी बहुत ही पिछड़ा हुआ और अवैज्ञानिक है । जब तक भारतीय कृषि क्षेत्र में सुधार नहीं होता, तब तक भारतीय किसानों की स्थिति में सुधार की कोई संभावना नहीं और किसानों की स्थिति में सुधार के पूर्व भारतीय गावों के विकास की कल्पना ही नहीं जा सकती। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि भारतीय कृषि, कृषक और गांव तीनों ही एक दूसरे पर अवलंबित है । इनकी समस्याएं और समाधान भी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं ।

भारतीय कृषि और अन्य देशों की कृषि में बहुत अंतर है, अन्य देशों की कृषि वैज्ञानिक ढंग से आधुनिक साधनों द्वारा की जाती है, जबकि भारतीय कृषि अभी भी अवैज्ञानिक और अविकसित है। भारतीय किसान कृषि पर ही आश्रित है । भारतीय कृषि का स्वरूप इसलिए भी अव्यवस्थित है क्योंकि यहाँ पर कृषि प्रकृति की उदारता पर निर्भर है । यदि वर्षा ठीक समय पर उचित मात्रा में हो गई तो फसल अच्छी हो जाएगी, अन्यथा बाढ़ और सूखे की स्थिति में सभी फसलें नष्ट हो जाती हैं ।

आज वैज्ञानिक युग में भी कृषि के क्षेत्र में भारत में अनेक समस्याएं विद्यमान हैं, जो कि भारतीय कृषि के पिछड़ेपन के लिए उत्तरदायी है । कृषि की प्रमुख समस्याओं में सामाजिक, आर्थिक और प्राकृतिक कारण है । सामाजिक दृष्टि से भारतीय किसानों की दशा अच्छी नहीं है । अपने शरीर की चिंता ना करते हुए सर्दी-गर्मी सभी ऋतुओं में वह अत्यंत कठिन परिश्रम करता है किंतु उसे पर्याप्त लाभ नहीं हो पाता । अधिकतर भारतीय किसान अशिक्षित है और इसका कारण आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार न होना है । शिक्षा के अभाव के कारण वह कृषि में वैज्ञानिक तरीकों का प्रयोग नहीं कर पाता तथा अच्छे खाद एवं बीज के बारे में भी नहीं जानता। भारतीय किसानों की आर्थिक स्थिति भी अत्यंत सोचनीय है, वह आज भी महाजनों की मुठ्ठी में जकड़ा हुआ है । प्रेमचंद जी ने कहा था भारतीय किसान ऋण में ही जन्म लेता है और जीवन भर ऋण चुकाता है । धन के अभाव में वह उन्नत बीज, खाद और कृषि यंत्रों का प्रयोग नहीं कर पाता । किसान अशिक्षित होने के कारण वह वैज्ञानिक विधियों का खेती में प्रयोग करना नहीं जानता और ना ही उन पर विश्वास करना चाहता है । भ्रष्टाचार के कारण भारतीय कृषि का स्तर नहीं सुधर पा रहा है । हमारे पास दुनिया की सबसे अधिक उपजाऊ भूमि है, गंगा-यमुना के मैदान में इतना अनाज पैदा किया जाता है कि पूरे देश का पेट भरा जा सकता है ।

इन्हीं विशेषताओं के कारण दूसरे देश आज भी हमारी ओर ललचाई नजरों से देखते हैं लेकिन हमारी गिनती दुनिया के भ्रष्ट देशों में होती है । भारतीय किसान जिन गांवों में रहते हैं, उनकी स्थिति अत्यंत ही सोचनीय है । अंग्रेजों के शासन काल में किसानों पर ऋण का बोझ बहुत अधिक था । धीरे- धीरे किसानों की आर्थिक दशा और गिरती चली गई एवं गावों का सामाजिक आर्थिक वातारण अत्यंत दयनीय हो गया। किसानों की स्थिति में सुधार तभी हो सकता है जब विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इन्हें लाभान्वित किया जा सके और अधिक-से-अधिक संख्या में साक्षर बनाने हेतु एक मुहिम छेड़ी जाए । ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रम तैयार किए जाएं जिससे हमारे किसान कृषि के आधुनिक, वैज्ञानिक तरीकों से परिचित हो सके ।

विलास पी. सांवत भोंसले
पेन्ट शॉप

भारत भाग्य विधाता

गीता रोज सुबह स्कूल जाती है । वह एक अति उत्साही किशोरी है और हर नए दिन को एक नई आशा की किरण के साथ देखती है, उसमें ज्ञान ग्रहण करने की धुन और हर चुनौती जो उसकी शिक्षा, भारतीय समाज और उसकी किशोरावस्था से है, को सफ़लतापूर्वक पार करने की अपार उत्सुकता है । वह पूरे भारत के लाखों छात्र-छात्राओं के लिए एक प्रेरणा है। उसके लिए शिक्षा उसके भविष्य का पासपोर्ट है क्योंकि आनेवाला कल उन्हीं का है जो आज उसके लिए तैयारी करते हैं ।

भारत के स्कूल प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र-छात्राओं से भरे पड़े हैं । उनकी आंखों में सपने झिलमिलाते हैं और उनके मन में उन्हें पूरा करने की ज्योति जलती है । व्यक्तिगत सफलता के लिए प्रयास करना निश्चित रूप से सराहनीय है और इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, लेकिन आने वाली पीढ़ी को निस्वार्थता और एकता का पाठ पढ़ाए जाने की आवश्यकता है । गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहले से कहीं अधिक सुलभ हो गई है । अब छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत आराम और सुविधा के अपने क्षितिज से परे देखने के अवसर प्राप्त हुए है। इसलिए अब उन्हें अपने स्वदेशवासियों के साथ सहानुभूति रखने के लिए सतत ईमानदार प्रयास करने की आवश्यकता है । एक छात्र स्व-हित के बारे में जितना कम सोचेगा वह उतना ही बेहतर नेतृत्व करेगा । हमारा निस्वार्थ भाव हमें केवल विशेष श्रेणी के लोगों की बजाए विशाल जनसामान्यों के लिए काम करने के लिए प्रेरणा देता है ।

छात्र-छात्राओं के रूप में जिम्मेदारी और सृजनशीलता उनका कर्तव्य है । उन्हें जल्द से जल्द अपनी शत प्रतिशत जिम्मेदारी उठा लेनी चाहिए । माता-पिता या संस्थान अपने छात्रों को तटस्थ रहकर भागीदारी का सबसे बड़ा उपहार दे सकते हैं । छात्र-छात्राओं को अपनी गलतियों, अपने लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं का पता लगाना चाहिए और आवश्यक होने पर ही उनका मार्गदर्शन करना चाहिए ।

आज के शिक्षकों को इंटरनेट के जमाने के इन बच्चों की पीढ़ी का सामना करने के लिए डिजिटल रूप से भी दक्ष होने की आवश्यकता है । मन को शिक्षित किए बिना दिमाग को शिक्षित करना कोई शिक्षा नहीं है, इसे सिर्फ साक्षरता कहा जाएगा । छात्र-छात्राओं के चरित्र निर्माण में शिक्षक अहम भूमिका निभाते हैं । पूरे दुनिया भर की जानकारी इंटरनेट पर प्राप्त की जा सकती है, लेकिन मार्गदर्शन केवल शिक्षकों द्वारा ही किया जा सकता है।

मुझे विश्वास है कि भारत का भाग्य सुरक्षित हाथों में है । मुझे विश्वास है कि गीता अपने लाखों साथियों के साथ मिलकर स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए इस खाई को पाट देगी । मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब मिलकर परिवर्तन ला सकते हैं ।

कुमारी विपुला विवेक सैल
सुपुत्री श्री विवेक के. सैल
बाह्यस्त्रोत विभाग

गुणवत्ता आश्वासन और विश्वसनीयता

जहाज निर्माण में गुणवत्ता आश्वासन विभाग यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया के दौरान गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को आईएसओ 9001-2015, 14001 और 45001 प्रमाणन के तहत पूरा किया जा रहा है । यह विभाग सभी प्रासंगिक विनियमों, संहिताओं और उद्योग मानकों के सख्त पालन की देखरेख और रखरखाव के साथ-साथ गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण दल आदि की मदद से व्यापक गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए जिम्मेदार है। क्यूए टीम को निर्माण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में पूरी तरह से निरीक्षण और परीक्षण करने का लक्ष्य भी सौंपा गया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी निर्मित हिस्से और पूर्ण रूप से निर्मित जहाज स्थापित गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं या यह स्थापित गुणवत्ता बेंचमार्क से भी अधिक हैं।

क्यूए टीम द्वारा प्रत्येक परियोजना की शुरुआत में हितधारकों द्वारा अनुमोदित उत्पाद गुणवत्ता योजना का समग्र पालन किया जाता है और यह प्राप्ति निरीक्षण से शुरू होता है, फिर विभिन्न चरणों में निरीक्षण, स्वीकृति हेतु हार्बर परीक्षणों और स्वीकृति हेतु समुद्री परीक्षणों तक चलता है । इस प्रकार क्यूए टीम द्वारा यह सुनिश्चित किया जाता है कि जहाजों की सभी प्रणालियों की पूरी तरह से जांच की गई है और ग्राहक को जहाज की सुपुर्दगी से पहले यह पूरी तरह से दोष मुक्त है । गोशिलि के गुणवत्ता आश्वासन विभाग की उत्पादन के प्रत्येक चरण में भागीदारी होती है और यह परीक्षण प्रक्रिया सभी प्रकार की मेट्रोलॉजी, वेल्डिंग निरीक्षण, यांत्रिक निरीक्षण और एनडीटी परीक्षण के लिए जिम्मेदार है । यह विभाग एक्स-रे, अल्ट्रासोनिक, डीपीटी निरीक्षण और अन्य एनडीटी परीक्षण करने के लिए तैयार रहता है । निरीक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की गोशिलि की प्रयोगशाला में जांच किया जाता है।

गुणवत्ता आश्वासन विभाग बेहद सावधानीपूर्वक ढंग से निरंतर निगरानी, स्पष्ट रूप से प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन, निरंतर सुधार की पहल और हितधारकों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखता है । यह सुरक्षित और उच्च निष्पादन करने वाले जहाज बनाने का एक अभिन्न अंग है जो गोशिलि की निगमित नीति के अनुपालन में ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करता है ।

श्री उत्पल राणे
गुणवत्ता आश्वासन एवं विश्वसनीयता

पशु : मनुष्य जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग

मानव सभ्यता के आरंभ से ही हमारा वन्य जीवों से जुड़ा रहा है । व्यापार और वाणिज्य के अस्तित्व में आने से पहले, मनुष्यओं को कुछ स्थानों पर केवल पशु संसाधनों पर निर्भर रहना पड़ता था । हमारे पूर्वज जो गुफाओं में रहते थे और कुछ बड़े जानवर उनके जीवन के लिए खतरा थे । अंतत: उन्होंने लड़ना और जीवित रहना सीखा । ठंड से सुरक्षा की एक परत के रूप में जानवरों की त्वचा का उपयोग कपड़ों के लिए किया, मांस को भोजन या चारा के रूप में इस्तेमाल किया, और हाथी दांत तत्वों को बर्तन या आभूषण के रूप में भी इस्तेमाल किया । जानवरों की वफादारी ने उन्हें इंसान का सबसे पसंदीदा साथी बना दिया है । आज भी गांवों में जानवरों को इंसानों के साथ देख सकते हैं, जिनमें से गाय, भैंस, बैल, ऊंट, भेड़, बकरी. कुत्ते और बिल्ली को आमतौर पर देखा जा सकता है । गांवों में ही नहीं शहरों में भी कई लोग अपने घर पशु पालते हैं ; जैसे कुत्ता, बिल्ली, खरगोश, इत्यादि । यह जानवर बुद्धिमान होते हैं और इंसानों की भावनाओं को अच्छी तरह समझ पाते हैं । इसलिए हमेशा यह कहा जाता है कि पशु इंसानों के लिए एक अच्छे साथी के रूप में हमेशा उपयोगी साबित होते हैं । प्रकृति ने हमें कई उपहार दिए हैं उनमें से एक पशु-पक्षी भी हैं । पशुओं ने सदा ही मनुष्यों की सहायता की है और इसी कारण हमें भी सदा उनका सम्मान तथा उनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

अब तो जानवर हमारे परिवहन, सामाजिक जीवन, अर्थव्यवस्था आदि जैसे कई और पहलुओं में योगदान करते हैं । इसलिए, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके किसी भी प्रकार के दुरुपयोग के खिलाफ उनकी रक्षा करें ।

सलोनी सैल
सुपुत्री श्री विवेक के. सैल, बाह्यस्त्रोत विभाग

सुख

संत सानिध्य सा सुख ना कोई, संत सानिध्य जो पाए ।
संत की सेवा में पूरा जीवन दियो बिताए ।।
शीश कटाके गुरु मिले, नहीं सस्ता सौदा कोई ।
कहत कबीर सुनो भाई साधो, गुरु सुमिरन नित होई ।।
गुरु पूजा सा दूजा कोई, काज ना जग में होई ।
धोई धोई चरणन को पिए, तो करज कमी ना होई ।।
गुरु बिन जीवन ऐसे होई, रण में मृगजल खोई ।
जल बिन तड़पत जैसे मछली, ऐसी स्थिति बरन होई ।।
काम, क्रोध और अहंकार सब काया में समाय ।
अगर मिला जो गुरु सानिध्य एक पल ना गवाय ।।
गुरु चरण के कान लगावे, पाय पाय जो कमाए ।
हाथ पकड़ो हे गुरु ने जिसको, बड़ो सद्भागी कहलाए ।।
एक क्षण भी मिल जाए, तो जनम सफल होई जाय ।
जो दिखे वह होवत नाहीं, जो होवे ना दिखाए ।।

रमीज राजा
वित्त विभाग

हावड़ा से बैंडल

(एक मजेदार कविता)

हावड़ा से लोकल ट्रेन में बैठकर बैंडल जाऊं,
कविता के मध्य में स्टेशन के नाम बताते जाऊं ।

बबुआ बोल रहा है, भूख लगी है, दो माँ हलवा,
माँ बोल रही है, इंतजार करो, आ रहा है लिलुआ ।

रामकृष्ण बोल रहे हैं, गिरीश! नरेन्द्र और कितनी दूर,
शिष्य बोल रहे हैं, गुरुदेव! इसके बाद ही है बेलुड़ ।

पक्के घर में, छत नहीं था, सर के ऊपर था टाली,
खाल के पानी में, धूल मैल है, नाम है स्टेशन का बाली ।

निष्ठर हो कर सोए पड़े हैं, दे नहीं रहा कोई उत्तर,
बबुआ बोले तब क्या माँ, यही है उत्तरपाड़ा ।

कारखाना है बंद पड़ा, मालिक है कितना कठोर,
माँ बोली बबुआ, आ गया है हिंदमोटर ।

बबुआ को मां प्रश्न करे, ये है कौन सा नगर,
माँ बोली ठीक पकड़े हो, यही तो है कोणनगर ।

तोता पक्षी पालेगा बबुआ, खरीद लाया पिंजरा,
अगला स्टेशन उतर जाना, आ गया है रिसड़ा ।

बबुआ बोले सुनो माँ, भक्तगणों के सुर,
जय श्री राम आवाज आया, ये है श्रीरामपुर ।

बांस के डंडे में घट ले कर जाते हैं, शिव जी के भक्तगण,
गंगा के घाट में जल भरेंगे, नाम है शैवड़ापुली ।

एक समय था, यही वैध लोगों की घाटी,
उनके ही नाम पर पड़ा है, स्टेशन का नाम वैधवाटी ।

ज्ञानी, मुनि, भद्र जन, भजन करे ईश्वर,
लोगों के द्वारा प्रचार हो कर, नाम पड़ा है भद्रेश्वर ।

कोलाहल में समझ नहीं, आता बात का पैर मुंड,
दौड़ा-दौड़ी हॉकरों का, आया है मानकुंडु ।

गंगा के पार प्राचीन शहर नाम चंदननगर ।

गिरजा बनाए, ऊंचा उसका चूड़ा,
स्थानीयों की चलती भाषा में, हो गया चूचूड़ा ।

हंस सब जलाशय में, पकड़कर खाते थे गुगली,
गायब हो गया जलाशय, रह गया हुगली ।

सुंदरियों के पैर में, पोशाक पहना है सैंडल,
चलो अब है घूमने जाना, आ गया है बैंडल ।

सौगत कुमार पालित
मानव संसाधन एवं प्रशासन

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति का निरीक्षण (15 नवंबर 2022)

माननीय संयोजक श्री रामचंद्र जांगड़ा, श्री श्याम सिंह यादव, श्री धर्मेंद्र कश्यप एवं श्री सुजीत कुमार जी द्वारा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड प्रदर्शनी का निरीक्षण

"एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के लिए कृतसंकल्प

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

सीआईएन: U63032GA1967GOI000077,
आयएसओ : 9001: 2015, 14001:2015, 45001: 2018, प्रमाणित कंपनी, (भारत सरकार का उपक्रम)
वास्को - द - गामा, गोवा - 403 802 भारत, फोन: +91-832-2512152 (5 लाइनें), 25113954, 2512359
फैक्स: +91-832-2513260, 2513943, 2515261, ई-मेल: contactus@goashipyard.com, यूआरएल: www.goashipyard.in